रंग मे कैसे होली खेलूंगी

रंग

मैं कैसे होली खेलूंगी,
या सांवरिया के संग,
रंग मैं कैसे होली खेलूँगी,
या सांवरिया के संग,
मैं कैसे होली खेलूंगी,
कोरे कोरे कलश मंगाए,
केसर घोरो रंग,
लाला, केसर घोरो रंग,
भर पिचकारी मेरे सन्मुख मारी,
चोली हे गई तंग,
रंग मैं कैसे होली खेलूँगी,
या सांवरिया के संग,
मैं कैसे होली खेलूंगी,
साड़ी सरस सभी मेरो भिजो,
भीज गयो सब अंग,
लाला, भीज गयो सब अंग,
या बजमारो को कहाँ भिगोऊँ
कारी कामर अंग॥
रंग मैं कैसे होली खेलूँगी,
या सांवरिया के संग,
मैं कैसे होली खेलूंगी,
तबला बाजे सारंगी बाजे,
और बाजे मृदंग,
और बाजै मृदंग,
और श्याम सुंदर की बंशी बाजै,
राधा जू के संग,
रंग मैं कैसे होली खेलूंगी,
या सांवरिया के संग,
मैं कैसे होली खेलूंगी,
घर घर से बृज बनिता आई,
लिए किशोरी संग,
लाला लिए किशोरी संग, -2
चन्द्रसखी हँसयो उठ बोली,
लगा श्याम के अंग,
रंग मैं कैसे होली खेलूंगी,
या सांवरिया के संग,
मैं कैसे होली खेलूंगी,
मैं कैसे होली खेलूंगी,
या सांवरिया के संग,
रंग मैं कैसे होली खेलूँगी,
या सांवरिया के संग,
मैं कैसे होली खेलूंगी,

बाज रही पैजनिया छमाछम
बाज रही पैजनिया छमाछम,
अरे के हो गढावा पॉव पैजनिया
के हो कमर करधनिया अरे हो के हो कमर...
अरे के हो गढावा मोहर माला
के हो नाक झुलनिया छमाछम
बाज रही पैजनिया, बाज रही .....
ससुरो गढावा पाव पैजनिया
जेहा कमर करधनियां अरे हां जेहा कमर....
ओ हो देवरा गढावा मोहर माला
सइया नाक झुलनिया छमा छम बाजरही...
बाज रही पैजनिया .....
कैसे टूटी पाव पैजनिया, कैसे कमर करधनिया
अरे हा कैसे कमर करधनिया,
अरे कैसे टूटी मोहर माला कैसे नाक झुलनियां
छमाछम बाज रही पैजनिया...
चलत फिरत मेरो पॉव पैजनिया
निहुरे कमर करधनियाँ अरे हाँ निहुरे कमर...
सेजिया चढत को मोहर माला
चुम्मा लेत झुलनिया छमाछम बाज रही पैजनिया
बाज रही पैजनिया छमाछम बाज रही पैजनिया.

ताल से ताल मिले मोरे बबुआ
बाजे ढोल मृदंग
मन से मन का मेल जो हो तो
रंग से मिल जाए रंग
हो होरी खेले रघुवीरा

होरी खेले रघुवीरा अवध में होरी खेले रघुवीरा
होरी खेले रघुवीरा अवध में होरी खेले रघुवीरा

अरे होरी खेले रघुवीरा अवध में होरी खेले रघुवीरा
होरी खेले रघुवीरा अवध में होरी खेले रघुवीरा

हाँ हिलमिल आवे लोग लुगाई
हिलमिल आवे लोग लुगाई
हिलमिल आवे लोग लुगाई
भाई महलन में भीरा अवध में होरी खेले रघुवीरा

अरे होरी खेले रघुवीरा अवध में होरी खेले रघुवीरा(होली है)
होरी खेले रघुवीरा अवध में होरी खेले रघुवीरा
अरे होरी खेले रघुवीरा अवध में होरी खेले रघुवीरा

तनिक शर्म नहीं आये देखे नाहीं अपनी उमरिया
तनिक शर्म नहीं आये देखे नाहीं अपनी उमरिया
हो साठ बरस में इश्क लड़ाए
साठ बरस में इश्क लड़ाए
मुखड़े पे रंग लगाए, बड़ा रंगीला सांवरिया
मुखड़े पे रंग लगाए, बड़ा रंगीला सांवरिया
चुनरी पे डारे अबीरा अवध में होरी खेरे रघुवीरा

अरे चुनरी पे डारे अबीरा अवध में होरी खेरे रघुवीरा
अरे होरी खेले रघुवीरा अवध में होरी खेले रघुवीरा

हाँ हिलमिल आवे लोग लुगाई
भाई महलन में भीरा अवध में होरी खेले रघुवीरा (होली है)
अरे होरी खेले रघुवीरा अवध में होरी खेले रघुवीरा

हे अब के फाग मोसे खेलो ना होरी
हाँ हाँ ना खेलब ना खेलब
तोरी शपथ मैं उमरिया की थोरी
हाय हाय हाय चाचा

देखे है ऊपर से, झांके नहीं अन्दर सजनिया
देखे है ऊपर से, झांके नहीं अन्दर सजनिया
उम्र चढ़ी है दिल तो जवां है
उम्र चढ़ी है भैया दिल तो जवां है
बांहों में भरके मुझे ज़रा झनका दे पैंजनिया
बांहों में भरके मुझे ज़रा झनका दे पैंजनिया

साँची कहे है कबीरा अवध में होरी खेले रघुवीरा
अरे साँची कहे है कबीरा अवध में होरी खेले रघुवीरा
अरे... होरी खेले रघु... हो होरी खेले रघुवीरा
अवध में होरी खेले रघुवीरा, होरी खेले रघुवीरा अवध में होरी खेले रघुवीरा

हिलमिल आवे लोग लुगाई
हाँ हिलमिल आवे लोग लुगाई
भाई महलन में भीरा अवध में होरी खेले रघुवीरा (होली है)
होरी खेले रघुवीरा अवध में होरी खेले रघुवीरा
अरे भैया होरी खेले, रघुवीरा अवध में होरी खेले रघुवीरा

रसिया को नार बनाओ री रसिया को

रसिया को नार बनाओ री रसिया को
कटि लहँगा गल माल कंचुकी, बाह रे रसिया बाह
याके चुनरी शीश उढाओ री रसिया को
रसिया को नार बनाओ री रसिया को
बाँह बरा बाजूबन्द सोहे
बाँह बरा बाजूबन्द सोहे
याके नकबेसर पहनाओ री रसिया को।
रसिया को नार बनाओ री रसिया को
गाल गुलाल दृगन बिच काजल
गाल गुलाल दृगन बिच काजल
याहे बेंदी भाल लगाओ री रसिया को
रसिया को नार बनाओ री रसिया को
आरसी-कंगन-छल्ला पहनाओ
आरसी कंगन छल्ला पहनाओ
पैंजनी पाँव सजाओ री रसिया को
रसिया को नार बनाओ री रसिया को
श्यामसुंदर पे ताली बजा के
श्यामसुंदर पर ताली बजा के
यशुमती निकट नचाओ री रसिया को
रसिया को नार बनाओ री रसिया को

होली खेल रहे नन्दलाल,
गोकुल की कुञ्ज गलिन में ||

मेरे घर मारी पिचकारी,
मेरी भीगी रेशम साड़ी,
मेरे घर मारी पिचकारी,
मेरी भीगी रेशम साड़ी,
अरे मेरे मुँह पे मलो गुलाल,
गोकुल की कुञ्ज गलिन में ||

लिए ग्वाल बाल सब संग में,
रंग गई बसंती रंग में,
लिए ग्वाल बाल सब संग में,
रंग गई बसंती रंग में,
अरे मेरी चली ना कोई चाल,
गोकुल की कुञ्ज गलिन में ||

मेरी रन्ग से भरी कमोरी,
कंकरिया मार के फोरी,
मेरी रन्ग से भरी कमोरी,
कंकरिया मार के फोरी,
में तो पड़ी हाल बेहाल,
गोकुल की कुञ्ज गलिन में ||

मोसे हँस के बोलो बेना,
तोहे सही बताऊ बहना,
मोसे हँस के बोलो बेना,
तोहे सही बताऊ बहना,
मैं कर दई हरी और लाल,
गोकुल की कुञ्ज गलिन में ||

होली खेल रहे नन्दलाल,
गोकुल की कुञ्ज गलिन में ||

मत जाओ पिया होली आई रही

मत जाओ पिया होली आय रही;
मत जाओ पिया होली आई रही,
आई रही लटु आई रही,
मत जाओ पिया।
पाँव पड़ूगी, हाथ जोड़ूगी,
बाह पकड़ के मनाय रही,
मत जाओ पिया, आगे सजनी पीछे सजनी,
पाँव से पाँव मिलाय रही
मत जाओ पिया होली आइ रही
जिनके पिया परदेश बसत है--
उनको नारी सोच भरी, मत जाओ पिया होली
जिनके पिया मित घर मे बसत है आइ रही
उनको नारी रंग भरी
मत जाओ पिया होली आई रही
मत जाओ पिया होली आई रही।

दही खालो मटकिया ने फोड़ो,
दही खालो मटकिया ने फोडो।।

मैं बाबुल की भारी लाडली,
मै बाबुल की भारी लाडली,
मोरे नैनो से नैना ने जोडो,
दही खालो मटकिया ने फोडो।।

झीठा झपटी काहे करत हो,
झीठा झपटी काहे करत हो,
मोरी बाहिया पकड़ ने झन्गा झोरो,
दही खालो मटकिया ने फोडो।।

बिगड़ी चाले तुम्हारी मनमोहन,
बिगड़ी चाले तम्हारी मनमोहन,
मोरो हार गले को ने तोडो,
दही खालो मटकिया ने फोडो।।

पार्थ राघव वडे है दयालु,
पार्थ राघव वडे है दयालु,
कन्हैया के चरणो मै चित जोडो,
दही खालो मटकिया ने फोडो।।

बरजोरी रे रसिया,
आज बृज में होली है रे रसिया ॥

घर घर से ब्रज बनिता आई,
घर घर से ब्रज बनिता आई,
कोई सांवर कोई गोरी है रे रसिया,
आज बृज में होली है रे रसिया ॥

कौन गाँव के कुंवर कन्हैया,
कौन गाँव के कुंवर कन्हैया,
कौन गावं राधा गोरी है रे रसिया,
आज बृज में होली है रे रसिया ॥

नन्द गावं के कुंवर कन्हैया,
नन्द गावं के कुंवर कन्हैया,
बरसाने की राधा गोरी रे रसिया,
आज बृज में होली है रे रसिया ॥

कौन वरण के कुंवर कन्हैया,
कौन वरण के कुंवर कन्हैया,
कौन वरण राधा गोरी रे रसिया,
आज बृज में होली है रे रसिया ॥

श्याम वरण के कुंवर कन्हैया,
श्याम वरण के कुंवर कन्हैया,
गौर वरण राधा गोरी रे रसिया,
आज बृज में होली है रे रसिया ॥

इत ते आए कुंवर कन्हैया,
इत ते आए कुंवर कन्हैया,
उत ते राधा गोरी रे रसिया,
आज बृज में होली है रे रसिया ॥

कौन के हाथ कनक पिचकारी,
कौन के हाथ कनक पिचकारी,
कौन के हाथ कमोरी रे रसिया,
आज बृज में होली है रे रसिया ॥

कृष्ण के हाथ कनक पिचकारी,
कृष्ण के हाथ कनक पिचकारी,
राधा के हाथ कमोरी रे रसिया,
आज बृज में होली है रे रसिया ॥

उडत गुलाल लाल भए बादल,
उडत गुलाल लाल भए बादल,
मारत भर भर झोरी रे रसिया,
आज बृज में होली है रे रसिया ॥

अबीर गुलाल के बादल छाए,
अबीर गुलाल के बादल छाए,
धूम मचाई रे सब मिल सखिया,
आज बृज में होली है रे रसिया ॥

चन्द्र सखी भज बाल कृष्ण छवि,
चन्द्र सखी भज बाल कृष्ण छवि,
चिर जीवे यह जोड़ी रे रसिया,
आज बृज में होली है रे रसिया ॥

आज बृज में होली है रे रसिया,
होरी रे रसिया,
बरजोरी रे रसिया,
आज बृज में होली है रे रसिया ॥

भजन - होली खेल रहे नन्दलाल गोकुल की
कुञ्ज गलिन में लिरिक्स